

कार्यालय उपखण्ड अधिकारी एवं पदेन सहायक कलेक्टर सलूमबर, जिला सलूमबर

श्री श्री केशिया

सम भुकदमा धारा-212 राज. काश्त. अधिनियम

विपक्षी श्री वक्ता व अन्य

प्रकरण संख्या 66/2024

कार्यवाही विवरण

31/12/2024

पत्रावली पेश हुई। पत्रावली आज आदेश में नियत है। प्रार्थीगण द्वारा आदेश 39 नियम 1, 2 व धारा 151 सी.पी.सी. व धारा 212 राज. काश्त. अधिनियम के अन्तर्गत प्रार्थना पत्र पेश कर अंकित किया कि भौजा शाजनीत पटवार हल्का बुखेल तहसील सलूमबर जमाबंदी संवत् 2075 से 2078 के खाता सं. 49 कुल कित्ता 8 रकबा 1.48 हैक्टयर कृषि भूमि का प्रार्थी खातेदार काश्तकार है तथा विपक्षीगण से इस भूमि का कोई लेना-देना नहीं है एवं विपक्षी जबरन इस पर कब्जा करने पर आमदा है जिससे आगे दिन शान्तिभंग होने का अंदेशा बना हुआ है। जिससे मजबूर होकर प्रार्थी को विपक्षीगण के विरुद्ध यह अस्थाई निषेधाज्ञा का प्रार्थना पत्र पेश करना पड़ रहा है। प्रथम दृष्टया मामला, सुविधा संतुलन एवं अपूर्णियक्षति का बिन्दु प्रार्थीगण के पक्ष में है। अतः प्रार्थना है कि विपक्षीगण को जरिअे अस्थाई निषेधाज्ञा से मूलवाद के निरतारण तक पाबन्द किया वे प्रार्थना पत्र में वर्णित प्रार्थी की कृषि भूमि में किसी प्रकार की दखल-न्दाजी, अतिक्रमण, निर्माण नहीं करे। ना ही उक्त कृत्य अपने नौकरों, परिजनो से करावे।

प्रार्थना पत्र बाद जांच दर्ज रजिस्टर किया जाकर विपक्षीगण को जरिअे नोटिस तलब किया गया। विपक्षीगण की ओर से अधिवक्ता श्री महेन्द्रकुमार चौहान हाजिर आये जिन्होंने जबवा पेश कर अंकित किया कि मुझ विपक्षी वक्ता के पिता सासिया भीणा व प्रार्थी केशिया के पिता देवजी भीणा दोनों सगे भाई है तथा उक्त कृषि भूमि पैतृक होकर देवजी व सासिया के पिता के नाम राजस्व रेकार्ड में दर्ज थी जो देवजी व सासिया के पिता की मृत्यु के बाद गलती से उक्त तमाम आराजीयात देवजी के बड़े पुत्र होने के नाते अकेले देवजी के नाम राजस्व रिकार्ड में दर्ज हो गई एवं मुझ विपक्षी के पिता सासिया एक अनपढ व्यक्ति होकर उन्हें इस बाबत का ज्ञान नहीं हुआ कि भूमि अकेले देवजी के नाम राजस्व रिकार्ड में दर्ज हो गई जबकि पैतृक सम्पत्ति होने से उक्त तमाम आराजीयात में 1/2 हिस्सा मुझ विपक्षी के पिता सासिया का कानूनन है। तथा विपक्षी के पिता सासिया के हिस्से की 1/2 भूमि पर हम विपक्षीगण वर्षों से काबिज हो काश्त करते आ रहे है। लेकिन राजस्व रिकार्ड में अकेले वादी केशिया के नाम उक्त तमाम आराजीयात दर्ज होने से प्रार्थी के मन में बदनियति आ गई है, जिससे प्रार्थी केशिया उक्त तमाम आराजीयात स्वयं ही हडपना चाहता है। प्रार्थी किसी भी तरह से उक्त आराजीयात पर अस्थाई निषेधाज्ञा पाने का अधिकारी नहीं है, अतः प्रार्थी का प्रार्थना पत्र खारिज फरमाया जावे।

आदेशिका दिनांक 01-08-2023 को प्रार्थी को एक पक्षीय सुना जाकर प्रकरण में विपक्षीगण के विरुद्ध अन्तरिम अस्थाई निषेधाज्ञा जारी की गई। पत्रावली में आदेशिका दिनांक 17-12-2024 को उभयपक्ष अधिवक्ताओं की बहस सुनी गई।

अधिवक्ता प्रार्थी ने बहस में अपने प्रार्थना पत्र में वर्णित तथ्यों को दोहराते हुए कथन किया कि प्रार्थना पत्र में वर्णित आराजीयात की भूमि प्रार्थी के नाम दर्ज है तथा प्रार्थी खातेदार काश्तकार है।

प्रार्थी श्री केशिया

किस्म मुकदमा धारा-212 राज. काश्त. अधिनियम

विपक्षी श्री वक्ता व अन्य
प्रकरण संख्या 66/2021

कार्यवाही विवरण

विपक्षीगण दखल करते हैं व कब्जा करते हैं अतः विपक्षीगण के विरुद्ध मूलवाद के निस्तारण तक अन्तरिम अस्थाई निषेधाज्ञा कन्फर्म की जावे।

अधिवक्ता विपक्षीगण ने बहस में अपने जवाब में अंकित तथ्यों को दोहराते हुए कथन किया कि विपक्षी वक्ता के पिता सासिया मीणा व प्रार्थी केशिया के पिता देवजी मीणा दोनों सगे भाई हैं तथा उक्त प्रार्थना पत्र में वर्णित आराजीयात की भूमि कृषि भूमि पैतृक होकर देवजी व सासिया के पिता के नाम राजस्व रेकार्ड में दर्ज थी जो देवजी व सासिया के पिता की मृत्यु के बाद गलती से उक्त तमाम आराजीयात देवजी बड़े पुत्र होने के नाते अकेले देवजी के नाम राजस्व रिकार्ड में दर्ज हो गई है। अतः प्रार्थना पत्र खारिज फरमावे।

बहस मनन की गई। पत्रावली में उपलब्ध दस्तावेज/रिकॉर्ड का अवलोकन किया। प्रार्थी ने बहस के दौरान विपक्षीगण द्वारा दिये गये तथ्यों के खण्डन में कोई कथन नहीं किया एवं राजस्व रेकार्ड को आधार बताया। अतः प्रार्थी का प्रार्थना पत्र स्वीकार किया जाना न्यायालय उचित नहीं समझता है।

—:आदेश:—

प्रार्थी का प्रार्थना पत्र अन्तर्गत आदेश 39 नियम 1, 2 सपठित धारा 151 जा.दी. एवं धारा 212 अस्वीकार कर खारिज किया जाता है।

पत्रावली फैसल शुमार होकर नम्बर से कम हो।
निर्णय खुले न्यायालय में सुनाया गया।



(पर्वत सिंह चूण्डावत)
उपखण्ड अधिकारी
सहायक कलेक्टर सलूमबर
जिला सलूमबर